Roll. No. : .....

S-2268

M.A. (II Semester) Examination, 2022-23

SANSKRIT

[Paper - III]

[पुराणेतिहास]

Time : 2½ Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं : खण्ड 'अ' और 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड 'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5 = 20**

1. सुन्दरकाण्ड के प्रथम सर्ग में वर्णित हनुमान मैनाक सम्वाद को प्रतिपादित कीजिए।
2. त्रिकूट पर्वत का वर्णन कीजिए।
3. श्रीमद्भागवत पुराण के पञ्चम स्कन्ध में वर्णित आग्नीध्र के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

4. रामायण कालीन समाज का वर्णन कीजिए।
5. राजा परीक्षित के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालिए।
6. सुन्दरकाण्ड के विषय वस्तु को प्रतिपादित कीजिए।
7. पुराण शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए अष्टादश पुराणों के नाम लिखिए।
8. लंकापुरी का वर्णन कीजिए।

खण्ड 'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15 = 60**

9. ततो रावणनीतायाः सीतायाः शत्रुकर्शनः।
   इयेष पदमन्वेष्टु चारणा चरिते पथि ॥
   उक्त श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।
10. श्रीमद्भागवत् महापुराण के पञ्चमस्कन्ध के प्रथम अध्याय में वर्णित प्रियव्रत चरित्र को प्रतिपादित कीजिए।
11. सुन्दरकाण्ड का काव्य सौन्दर्य निरूपित कीजिए।
12. पुराण के लक्षण को प्रतिपादित करते हुए भागवत पुराण के वैशिष्ट्य को लिखिए।
13. नागमाता सुरसा का वर्णन एवं हनुमान सुरसा सम्वाद पर प्रकाश डालिए।
14. पञ्चम स्कन्ध में वर्णित "ऋषभदेव जी के राज्य शासन" को निरूपित कीजिए।
15. रामार्थं वानरार्थं च चिकीर्षन्कर्म दुष्करम्।
    समुद्रस्य परं पारं दुष्पापं प्राप्तु मिच्छति ॥
    उक्त श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।
16. आदिकवि वाल्मीकि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालिए।

****